



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 21 अक्टूबर, 2025

जारी करने का समय: 1345 घंटे

विषय: (i) एक सुस्पष्ट निम्न दाब क्षेत्र दक्षिण-पूर्व अरब सागर पर तथा एक अन्य सुस्पष्ट निम्न दाब क्षेत्र दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी पर स्थित है।

(ii) 21 से 24 तारीख के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी) तथा 21 और 22 अक्टूबर, 2025 को तमिलनाडु में अत्यधिक भारी वर्षा (≥ 21 सेमी) तथा 22 अक्टूबर, 2025 को केरल में अत्यधिक भारी वर्षा (≥ 21 सेमी) होने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों की वास्तविक मौसम स्थिति (आज 21 अक्टूबर, 2025 को सुबह 0830 बजे IST तक):

- तमिलनाडु, पुदुचेरी में कुछ स्थानों पर भारी से अत्यधिक भारी वर्षा (7-20 सेमी) दर्ज की गई।
- केरल, रायलसीमा, तटीय एवं दक्षिणी अंतःस्थल कर्नाटक में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई।

वास्तविक मौसम के अधिक विवरण के लिए कृपया **अनुलग्नक-I** देखें।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक-II और III देखें):

- कल दक्षिण-पूर्व अरब सागर पर बना अच्छी तरह चिह्नित निम्न दबाव का क्षेत्र आज 21 अक्टूबर को सुबह 0830 बजे IST तक उसी क्षेत्र में बना रहा। यह अगले 24 घंटों में धीरे-धीरे पश्चिम की ओर बढ़ने और एक डिप्रेसन (अवदाब) में तीव्र होने की संभावना है।
- दक्षिण-पूर्व और सटे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक ऊपरी वायुमंडलीय चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव से, आज सुबह 0530 बजे IST दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक निम्न दबाव का क्षेत्र बना है। यह आज 21 अक्टूबर को सुबह 0830 बजे IST तक उसी क्षेत्र में एक अच्छी तरह चिह्नित निम्न दबाव के क्षेत्र के रूप में विकसित हो गया है। यह कल 22 अक्टूबर 2025 की दोपहर तक उत्तर तमिलनाडु और दक्षिण आंध्र प्रदेश तटों के पास दक्षिण-पश्चिम और सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी पर डिप्रेसन (अवदाब) में तीव्र होने की संभावना है। इसके बाद, यह उत्तर तमिलनाडु, पुदुचेरी और दक्षिण आंध्र प्रदेश तटों की ओर पश्चिम-उत्तरपश्चिम दिशा में बढ़ते हुए अगले 24 घंटों के दौरान और तीव्र होने की संभावना है।
- दक्षिण अंडमान सागर और आसपास के क्षेत्रों में निचले और मध्य ट्रोपोस्फेरिक स्तर के बीच एक ऊपरी वायुमंडलीय चक्रवाती परिसंचरण विद्यमान है।
- एक पश्चिमी विक्षोभ, मध्य और ऊपरी ट्रोपोस्फेरिक पछुआ हवाओं में एक द्रोणिका के रूप में, लगभग 68° पूर्वी देशांतर से 25° उत्तरी अक्षांश के उत्तर तक फैली हुई है।

इन प्रणालियों के प्रभाव से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- 21 से 24 अक्टूबर के दौरान तमिलनाडु, पुदुचेरी, तटीय एवं दक्षिणी अंतःस्थल कर्नाटक में कई/कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/आंधी के साथ एक दूसरे से सटी भारी वर्षा की संभावना है।
- 21 से 27 अक्टूबर के दौरान केरल, तटीय आंध्र प्रदेश और यानम, रायलसीमा में कई/कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/आंधी के साथ एक दूसरे से सटी भारी वर्षा की संभावना है।
- 23 और 24 अक्टूबर को उत्तरी अंतःस्थल कर्नाटक और 23 से 25 अक्टूबर के दौरान तेलंगाना में हल्की से मध्यम वर्षा/आंधी के साथ एक दूसरे से सटी भारी वर्षा की संभावना है।
- 21 से 23 अक्टूबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यानम, रायलसीमा; 21 और 22 अक्टूबर को दक्षिणी अंतःस्थल कर्नाटक; 23 अक्टूबर को तमिलनाडु; 21 और 23 अक्टूबर को केरल और 22 और 23 अक्टूबर को तटीय कर्नाटक में अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना है।
- 21 और 22 अक्टूबर को तमिलनाडु और 22 अक्टूबर को केरल में अत्यंत भारी वर्षा (≥ 21 सेमी) की अत्यधिक संभावना।
- अगले 5 दिनों के दौरान इस क्षेत्र में बिजली के साथ आंधी की संभावना है।

पूर्वी और मध्य भारत:

- 21 से 27 अक्टूबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और 25 व 26 अक्टूबर को ओडिशा में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/आंधी के साथ एक दूसरे से सटी भारी वर्षा की संभावना है।
- 21 से 27 अक्टूबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह; 21 से 25 अक्टूबर के दौरान ओडिशा में बिजली और तेज हवाओं (गति 30-50 किमी प्रति घंटा) के साथ आंधी की संभावना। 21 से 25 अक्टूबर के दौरान मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में बिजली के साथ आंधी की संभावना है।

पश्चिमी भारत:

- अगले 5 दिनों के दौरान कोंकण और गोवा, मराठवाड़ा और मध्य महाराष्ट्र में बिजली के साथ आंधी की संभावना है।

उत्तरी भारत:

- 22 अक्टूबर को उत्तराखंड और 21 व 22 अक्टूबर को हिमाचल प्रदेश में बिजली के साथ आंधी की संभावना है।

अरब सागर, लक्षद्वीप और कोमोरिन क्षेत्र तथा कर्नाटक, केरल और उससे सटे तमिलनाडु के तटों के लिए चेतावनी

हवा की चेतावनी: दक्षिण-पूर्व और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम और पूर्व-मध्य अरब सागर, लक्षद्वीप और कोमोरिन क्षेत्र तथा कर्नाटक, केरल और उससे सटे दक्षिण तमिलनाडु के तटों पर 24 अक्टूबर तक 35-45 किमी प्रति घंटे की गति से लेकर 55 किमी प्रति घंटे तक की तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है। आज, 21 अक्टूबर की शाम से दक्षिण-पूर्व और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम और पूर्व-मध्य अरब सागर में 40-50 किमी प्रति घंटे की गति से लेकर 60 किमी प्रति घंटे तक की तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है। 22 और 23 अक्टूबर को दक्षिण अरब सागर के मध्य भागों और उससे सटे मध्य अरब सागर में भी यह हवाएँ तेज़ हो सकती हैं।

समुद्र की स्थिति: दक्षिण-पूर्व और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम और पूर्व-मध्य अरब सागर, लक्षद्वीप और कोमोरिन क्षेत्र तथा कर्नाटक, केरल और उससे सटे दक्षिण तमिलनाडु के तटों पर समुद्र की स्थिति मध्यम से उग्र है। आज, 21 अक्टूबर की शाम से दक्षिण-पूर्व और समीपवर्ती दक्षिण-पश्चिम तथा पूर्व-मध्य अरब सागर में तथा 22 और 23 अक्टूबर को दक्षिण अरब सागर के मध्य भागों और समीपवर्ती मध्य अरब सागर में हवाएं उग्र से बहुत उग्र हो जाएंगी।

मछुआरों के लिए चेतावनी: मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 21 अक्टूबर तक दक्षिण-पूर्व और समीपवर्ती पूर्व-मध्य अरब सागर, लक्षद्वीप और कोमोरिन क्षेत्र तथा कर्नाटक, केरल और समीपवर्ती दक्षिण तमिलनाडु तटों पर न जाएँ। साथ ही, 22 से 23 अक्टूबर 2025 के दौरान दक्षिण अरब सागर के मध्य भागों और समीपवर्ती मध्य अरब सागर में न जाएँ।

बंगाल की खाड़ी और उससे सटे दक्षिणी अंडमान सागर के क्षेत्रों के लिए चेतावनी

हवा की चेतावनी:

दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और दक्षिण-पूर्व व मध्य बंगाल की खाड़ी के आसपास के इलाकों में 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़कर 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवा चलने की संभावना है। 22 से 24 अक्टूबर के दौरान दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में इसकी रफ्तार बढ़कर 50-60 किमी प्रति घंटे से लेकर 70 किमी प्रति घंटे तक होने की संभावना है। तमिलनाडु और दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटों पर 35-45 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़कर 55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवा चल रही है। 22 अक्टूबर को इसकी रफ्तार बढ़कर 40-50 किमी प्रति घंटे से लेकर 60 किमी प्रति घंटे तक और 23 से 24 अक्टूबर के दौरान 50-60 किमी प्रति घंटे से लेकर 70 किमी प्रति घंटे तक होने की संभावना है। 25 अक्टूबर तक अंडमान सागर और दक्षिण बंगाल की खाड़ी के शेष हिस्सों में 35-45 किमी प्रति घंटे से लेकर 55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवा चलने की संभावना है।

समुद्र की स्थिति:

दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे दक्षिण-पूर्व एवं मध्य बंगाल की खाड़ी के इलाकों में समुद्र की स्थिति खराब है और उसके बाद 24 अक्टूबर तक खराब से बहुत खराब होने की संभावना है। तमिलनाडु और दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तटों पर और उसके आसपास समुद्र की स्थिति खराब है और उसके बाद 23 अक्टूबर तक खराब से बहुत खराब होने की संभावना है। 25 अक्टूबर तक अंडमान सागर और दक्षिण बंगाल की खाड़ी के शेष हिस्सों में समुद्र की स्थिति मध्यम से खराब रहने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 24 अक्टूबर तक दक्षिण और उससे सटे मध्य बंगाल की खाड़ी में न जाएँ। जो मछुआरे समुद्र में हैं, उन्हें तट पर लौट आना चाहिए।

ii. 21 से 24 अक्टूबर, 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

अनुलग्नक I

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल: थंगाचिमादम (जिला रामनाथपुरम) 17; पंबन (जिला रामनाथपुरम) 15; मंडपम (जिला रामनाथपुरम) 14; वराट्टुपल्लम (जिला इरोड) 13; चिदम्बरम (जिला कुड्डालोर), चिदम्बरम एडब्ल्यूएस (जिला कुड्डालोर), अन्नामलाई नगर (जिला कुड्डालोर), वेलंकन्नी (जिला नागपट्टिनम) 10 प्रत्येक; नागपट्टिनम (जिला नागपट्टिनम), कराईकल (जिला कराईकल), रामेश्वरम (जिला रामनाथपुरम), तिरुपूडी (जिला नागपट्टिनम) 9 प्रत्येक; थलैग्नेयर (जिला नागपट्टिनम), अय्यमपेट्टई (जिला तंजावुर), शोलिंगनल्लूर (जिला चेन्नई), वेटिकाडु (जिला तंजावुर) 8 प्रत्येक; परंगीपेट्टई (जिला कुड्डालोर), मयिलादुथुराई (जिला मयिलादुथुराई), सिरकाली (जिला मयिलादुथुराई), तिरुवरूर (जिला तिरुवरूर) 7 प्रत्येक;

केरल और माहे: नेय्यातिनकारा (जिला तिरुवनंतपुरम) 11; क्विलांडी (जिला कोझिकोड) 9; इरिंजलाकुडा (जिला त्रिशूर), पिरवम (जिला एर्नाकुलम) 7 प्रत्येक;

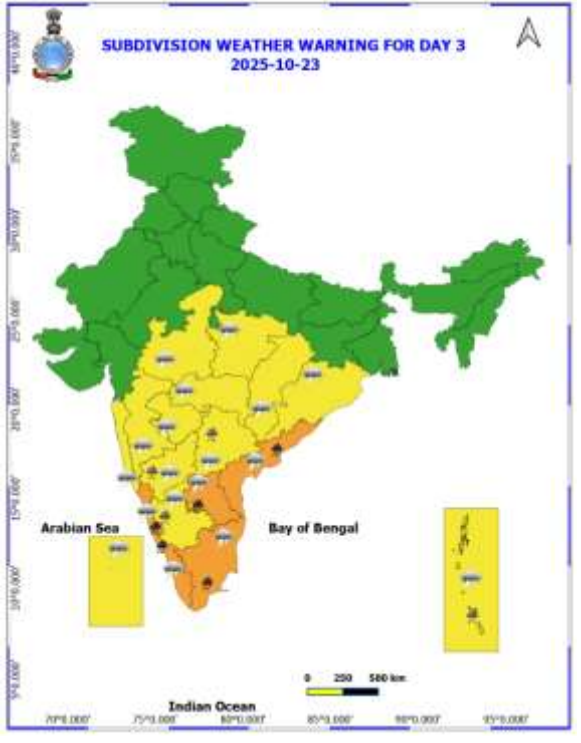
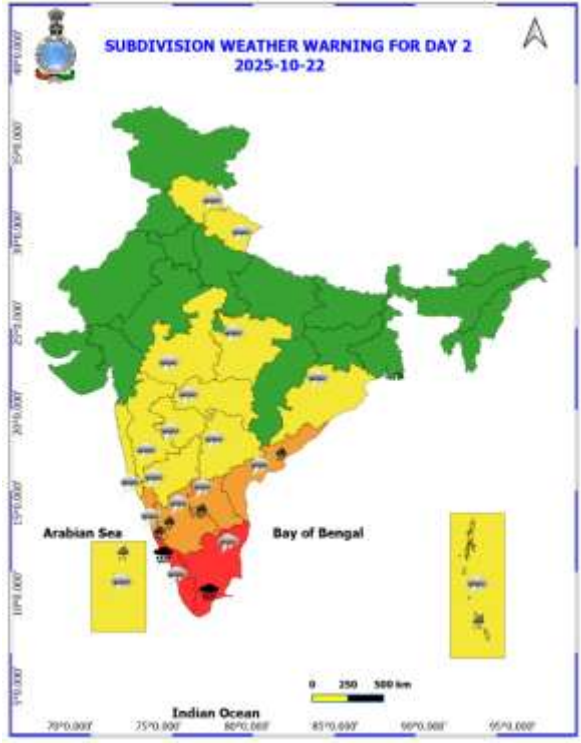
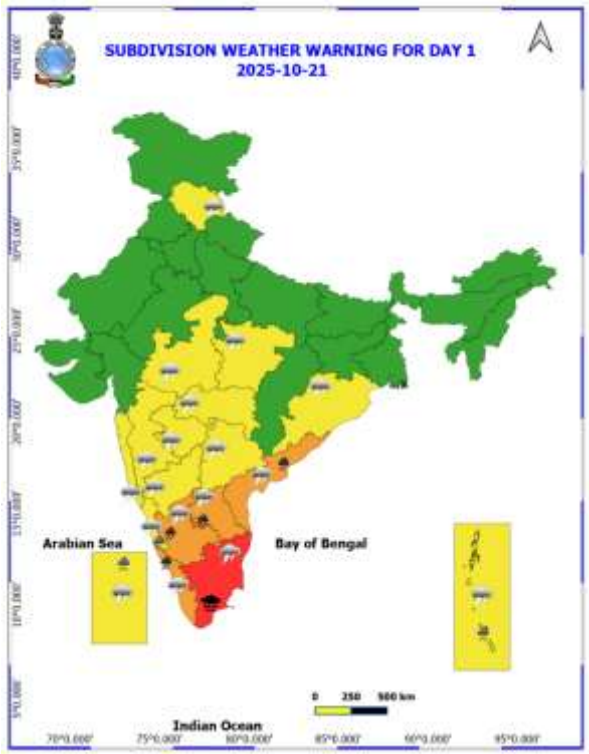
रायलसीमा: सुल्लुरपेटा (जिला तिरुपति) 7.

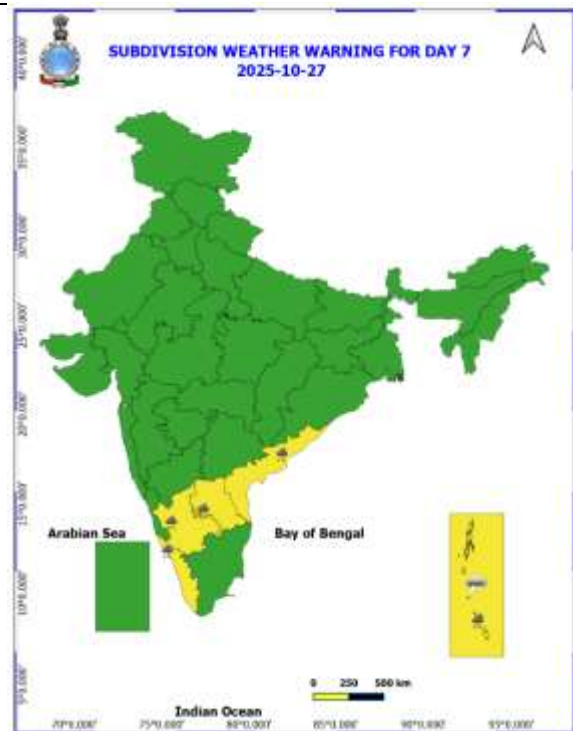
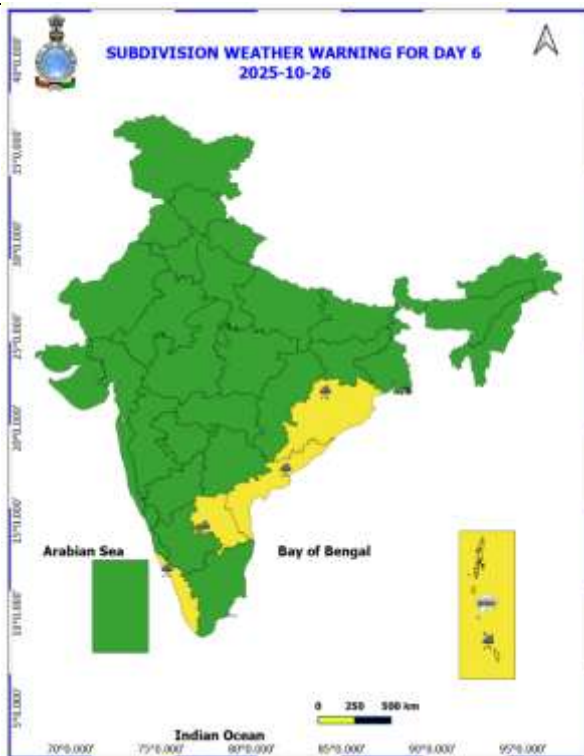
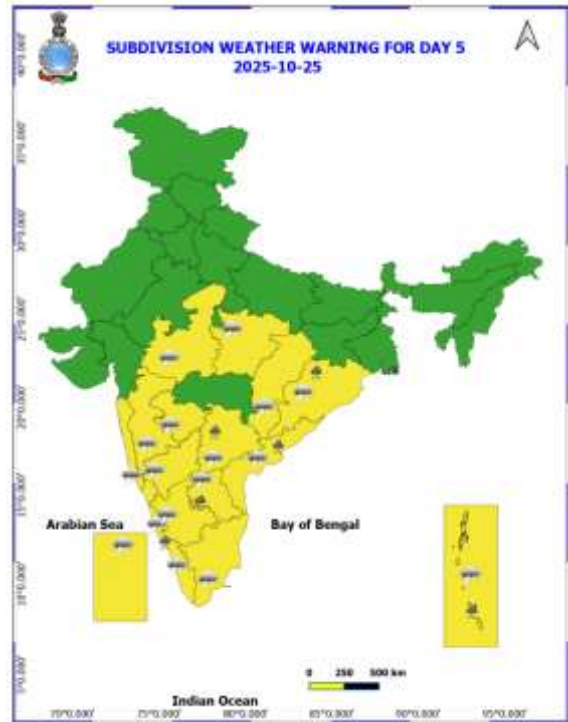
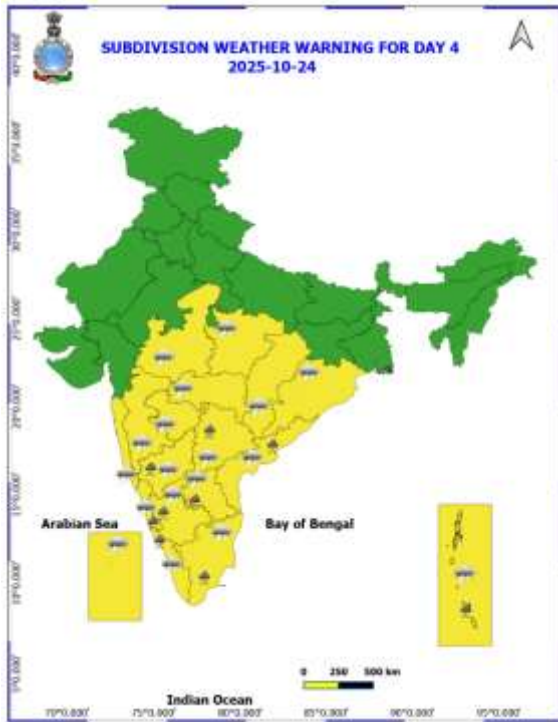
तटीय कर्नाटक: दक्षिण कन्नड़_बंतवाल_कवलमुदुरु 8

दक्षिण आंतरिक कर्नाटक: हसन_अलूर 7, चिक्कमगलुरु_कदुर_कदुर (ग्रामीण) 7

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	21- Oct	22- Oct	23- Oct	24- Oct	25- Oct	26- Oct	27- Oct
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	DRY	DRY	DRY	ISOL	SCT	SCT	ISOL
3	ASSAM & MEHGHALAYA	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
6	GANGETIC WEST BENGAL	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
7	ODISHA	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
8	JHARKHAND	DRY	DRY	DRY	ISOL	SCT	SCT	ISOL
9	BIHAR	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	SCT	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL	DRY	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL
21	GUJRAT REGION	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	ISOL	ISOL	SCT	FWS	SCT	ISOL	ISOL
27	CHHATTISGARH	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
29	TELANGANA	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
30	RAYALASEEMA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
35	KERALA AND MAHE	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

21 से 24 अक्टूबर 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम तापमान में 1-2 डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि हुई है और अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31 से 33 डिग्री सेल्सियस और 20 से 22 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 2-4 डिग्री सेल्सियस तक अधिक और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहा। सफदरजंग हवाई अड्डे पर मध्यम कोहरा छाया रहा। सफदरजंग हवाई अड्डे पर 21 अक्टूबर 2025 को सुबह 7:30 बजे सबसे कम दृश्यता 400 मीटर दर्ज की गई, जो बाद में सुधरकर भारतीय समयानुसार सुबह 8:00 बजे 500 मीटर हो गई। पालम हवाई अड्डे पर भारतीय समयानुसार सुबह 03:30 बजे से सुबह 05:00 बजे तक सबसे कम दृश्यता 600 मीटर दर्ज की गई, जो 21 अक्टूबर 2025 को सुबह 05:30 बजे सुधरकर 700 मीटर हो गई। पिछले 24 घंटों के दौरान आसमान मुख्यतः साफ रहा और उत्तर-पूर्व दिशा से 8 किमी प्रति घंटे की गति से सतही हवाएँ चलीं। आज दोपहर तक इस क्षेत्र में आंशिक रूप से बादल छाए रहे, धुंध/धुंध के साथ दक्षिण-पूर्व दिशा से धीरे-धीरे बढ़कर 8 किमी प्रति घंटे की गति तक पहुँच गई।

मौसम पूर्वानुमान:

21.10.2025: दोपहर से धुंध/धुंध के साथ आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान 31 से 33 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा। दोपहर के समय प्रमुख सतही हवा पूर्व दिशा से 00-05 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है। शाम और रात के दौरान हवा की गति पूर्व दिशा से 05 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

22.10.2025: कई स्थानों पर धुंध/उथला कोहरा छाए रहने की संभावना है, सुबह के समय अलग-अलग स्थानों पर मध्यम कोहरा रहेगा, दोपहर से धुंध/धुंध के साथ आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32 से 34 डिग्री सेल्सियस और 19 से 21 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। सुबह के समय मुख्य सतही हवाएँ पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है, जिनकी गति 5 से 10 किमी प्रति घंटा तक रहेगी। दोपहर में उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर 12 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी। शाम और रात के समय उत्तर दिशा से हवा की गति कम होकर 8 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

23.10.2025: सुबह के समय कई स्थानों पर धुंध/हल्का से मध्यम कोहरा छाए रहने की संभावना है, जिसके बाद दोपहर से आसमान मुख्यतः साफ रहेगा और धुंध/धुंध छाई रहेगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31 से 33 डिग्री सेल्सियस और 18 से 20 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-2 डिग्री सेल्सियस तक अधिक और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। सुबह के समय प्रमुख सतही हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 00-05 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है। दोपहर में हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 12 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी। शाम और रात के दौरान उत्तर दिशा से हवा की गति धीरे-धीरे कम होकर 10 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

24.10.2025: सुबह के समय कई स्थानों पर धुंध/हल्का कोहरा छाए रहने की संभावना है, जिसके बाद दोपहर से आसमान मुख्यतः साफ रहेगा और धुंध/धुंध छाई रहेगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32 से 34°C और 18 से 20°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-2°C तक अधिक और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। सुबह के समय उत्तर दिशा से आने वाली हवा की गति 00-05 किमी प्रति घंटा तक रहने की संभावना है। दोपहर में उत्तर दिशा से आने वाली हवा की गति बढ़कर 06 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

बहुत भारी वर्षा के कारण प्रभाव और सुझाई गई कार्रवाई:

- ❖ 21 और 22 अक्टूबर को तमिलनाडु में और 22 अक्टूबर को केरल में अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 21 से 24 अक्टूबर के दौरान तमिलनाडु, केरल में; 22 और 23 अक्टूबर को तटीय कर्नाटक में; 21 और 22 अक्टूबर को दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में; 21-23 अक्टूबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा में अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।

संभावित प्रभाव

- ✓ स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से शहरी क्षेत्रों में अंडरपास बंद होना।
- ✓ भारी वर्षा के कारण दृश्यता में कभी-कभी कमी।
- ✓ सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित, जिससे यात्रा का समय बढ़ गया।
- ✓ कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- ✓ कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- ✓ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़/भूस्खलन/कीचड़/भूस्खलन।
- ✓ जलप्लावन के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।

सुझाई गई कार्रवाई

- ✓ अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने रास्ते में यातायात की भीड़भाड़ की जाँच कर लें।
- ✓ इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात परामर्श का पालन करें।
- ✓ उन इलाकों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ✓ असुरक्षित ढाँचों में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी / अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **तमिलनाडु** में, धान और मूंगफली की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें। धान, कपास, उड़द, मक्का, टैपिओका एवं सब्जियों के खेतों तथा नारियल, केले और काली मिर्च के बागानों में जलजमाव से बचाव हेतु अतिरिक्त जल की निकासी करें।
- **केरल** में, धान की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। धान एवं सब्जियों के खेतों और केले, नारियल, सुपारी, इलायची और काली मिर्च के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी करें।
- **आंध्र प्रदेश** में, परिपक्व मूंगफली की फसल और मक्के के परिपक्व भुट्टों की कटाई केवल साफ मौसम / वर्षा-रहित अवधि के दौरान ही करें और उपज को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें। धान, मक्का, अरहर, उड़द, मूंग, मूंगफली, हल्दी, अदरक एवं सब्जियों के खेतों तथा केले, नारियल और सुपारी के बागानों में पर्याप्त जल निकासी की सुविधा प्रदान करें।
- **तटीय कर्नाटक** में, धान के खेतों तथा नारियल, सुपारी और काली मिर्च के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी करें। **दक्षिण आंतरिक कर्नाटक** में, मूंगफली और मक्का की कटी हुई उपज को सूखे, ढके हुए और हवादार स्थानों पर रखें या खेतों में तिरपाल से ढक दें। धान, दालों, सब्जियों, इलायची और कॉफी जैसी परिपक्व फसलों की कटाई सूखे अंतरालों में करें और कटी हुई उपज को अच्छी हवादार और नमी रहित स्थानों पर संग्रहित करें। धान, मक्का, रागी, दालों, मूंगफली एवं सब्जियों के खेतों तथा केला, काली मिर्च, इलायची, कॉफी, नारियल और सुपारी के बागानों में जलभराव से बचाव हेतु अतिरिक्त जल की निकासी हेतु आवश्यक व्यवस्था करें।
- **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह** में, कटे हुए धान को खराब होने से बचाने के लिए उसे सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें। धान, सब्जियों और बागवानी फसलों के खेतों से अतिरिक्त पानी के निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- **पशुपालन / मत्स्य पालन**
- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।

➤ अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

➤

➤ तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

➤ (आईबीएफ और विभिन्न एएमएफयू द्वारा जारी परामर्श पर आधारित)

➤ बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

➤ कटी हुई फसलों को अच्छी तरह से बांधें और ढककर रखें ताकि तेज हवा के कारण विस्थापन का खतरा कम हो।

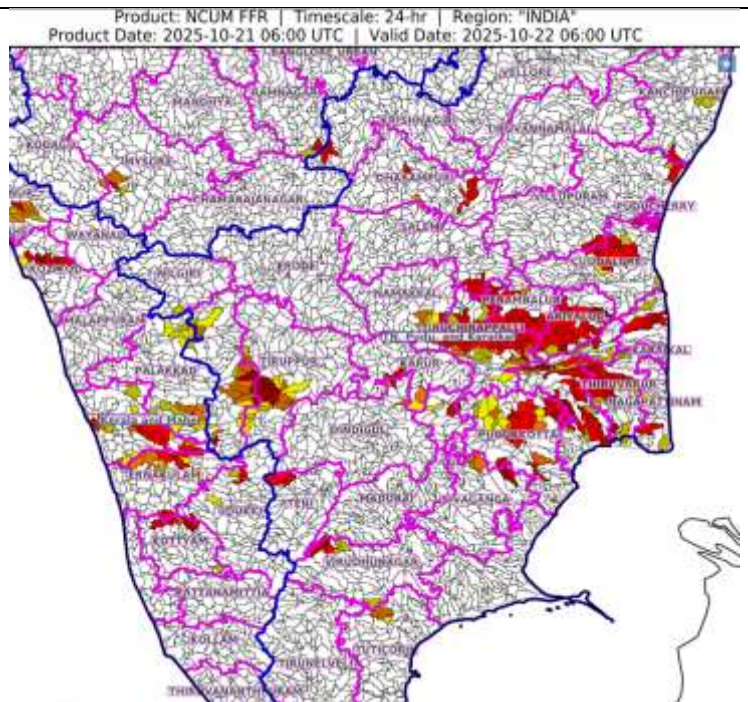
बाढ़ संबंधी मार्गदर्शन:

22-10-2025 के 1130 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (एफएफआर) के लिए 24 घंटे का आउटलुक:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलक्षेत्रों और पड़ोस में कम से मध्यम अचानक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

केरल और माहे - एर्नाकुलम, इडुक्की, कोट्टयम, पलक्कड़ और त्रिशूर जिले।
तमिलनाडु - पुडुचेरी और कराईकल - कराईकल, पुडुचेरी, अरियालुर, कोयंबटूर, कुड्डालोर, धरमपुरी, कांचीपुरम, करूर, नागपट्टिनम, नामक्कल, पेरम्बलुर, पुदुक्कोट्टई, शिवगंगा, तंजावर, तिरुवरूर, तिरुचिरापल्ली, तिरुप्पुर, तूतीकोरिन और विरुधुनगर जिले।

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण मानचित्र में दिखाए गए अनुसार चिंता के क्षेत्र (एओसी) में कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।



➤ **किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:**

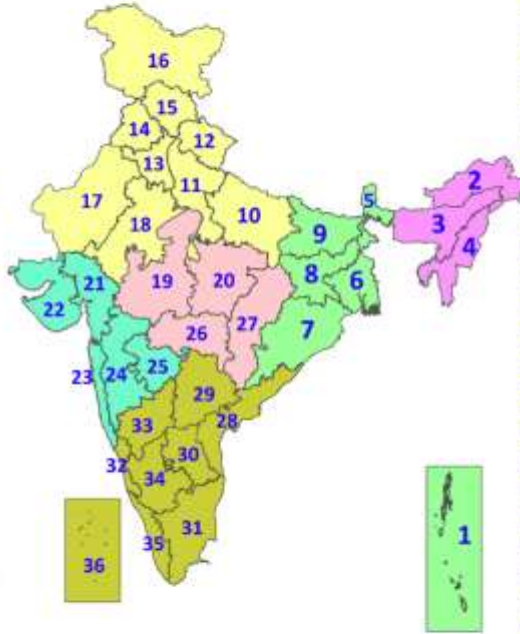
➤ **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा:** >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Rain



Very Heavy Rain



Extremely Heavy Rain



Thunder & Lightning



Hailstorm



Dust Raising Winds



Heavy Snow



Dust Storm



Heat Wave



Warm Night



Hot Day



Hot & Humid



Strong Surface Winds



Cold Wave



Cold Day



Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".

Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.

For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599

(Service to the Nation since 1875)